

# एलियाह - नंबर बारह

हर घाटी ऊँची की जाएगी

Jeff Pippenger

2023-10-17

हम अभी भी एलियाह को एक भविष्यसूचक प्रतीक के रूप में देख रहे हैं। एलियाह ने आहाब से घोषित किया कि तीन वर्षों तक उसके वचन के बिना वर्षा नहीं होगी।

और तिश्बी एलियाह, जो गिलाद के निवासियों में से था, ने आहाब से कहा, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा जीवित है, जिसके सामने मैं खड़ा रहता हूँ, कि इन वर्षों में न ओस पड़ेगी और न वर्षा होगी, परन्तु मेरे वचन के अनुसार। 1 राजाओं 17:1.

मसीह लूका की पुस्तक में हमें बताते हैं कि वे तीन वर्ष वास्तव में साढ़े तीन वर्ष थे।

और उसने कहा, मैं तुमसे सत्य कहता हूँ, अपने देश में कोई भविष्यद्वक्ता स्वीकार नहीं किया जाता। परन्तु मैं तुम्हें सच बताता हूँ, एलियास के दिनों में इस्राएल में बहुत-सी विधवाएँ थीं, जब आकाश तीन वर्ष और छह महीने तक बंद रहा, जब सारे देश में बड़ा अकाल पड़ा; परन्तु उनमें से किसी के पास एलियास नहीं भेजा गया, सिवाय सिदोन के नगर सरेप्ता में एक विधवा स्त्री के पास। लूका 4:24-26.

साढ़े तीन वर्ष अहाब और ईज़ेबेल के समय में हुए; इस प्रकार 538 से 1798 तक के साढ़े तीन भविष्यवाणी के वर्षों की पहचान होती है, जब पोपसत्ता, जिसे थुआतीरा की कलीसिया में ईज़ेबेल के रूप में दर्शाया गया है, अंधकार युग के दौरान शासन करती रही।

तौभी, मुझे तेरे विरुद्ध कुछ बातें हैं, कि तू उस स्त्री ईज़ेबेल को, जो अपने आप को भविष्यद्वक्त्री कहती है, यह सिखाने और मेरे दासों को व्यभिचार करने तथा मूर्तियों को चढ़ाई हुई वस्तुएँ खाने के लिए बहकाने देती है। और मैंने उसे अपने व्यभिचार से मन फिराने का अवसर दिया; पर उसने मन नहीं फिराया। देख, मैं उसे रोगशय्या पर डाल दूँगा, और जो उसके साथ व्यभिचार करते हैं, यदि वे अपने कामों से मन न फिराएँ, तो उन्हें बड़े क्लेश में डालूँगा। और मैं उसके बालकों को मार डालूँगा; और सब कलीसियाएँ जान लेंगी कि मैं ही वह हूँ जो मन और हृदय की जाँच करता हूँ; और मैं तुम में से प्रत्येक को उसके कर्मों के अनुसार प्रतिफल दूँगा। प्रकाशितवाक्य 2:20-23.

ईज़ेबेल का 'पश्चाताप करने का समय' एलियाह के दिनों में साढ़े तीन वर्ष था, और पोप के उत्पीड़न के अंधकार युग में 538 से 1798 तक भविष्यवाणी के साढ़े तीन वर्ष थे। ईज़ेबेल और यूरोप के उन राजाओं का दंड, जिन्होंने उसके साथ व्यभिचार किया, यह था कि उन्हें क्लेश की शय्या में डाला जाए, और उसके बच्चों की मृत्यु हो। अंधकार युग में विश्वासयोग्य आत्माएँ भी थीं, जिन्हें क्लेश की शय्या पर डाल दिया गया था, पर वे जीवित रहेंगी। क्लेश की शय्या पर डाले जाने पर, विश्वासयोग्यों के लिए जीवन या अविश्वासियों के लिए मृत्यु का परिणाम उनके 'कर्मों' पर आधारित था। विश्वासयोग्यों की क्लेश की शय्या ने धैर्य और जीवन उत्पन्न किया। साढ़े तीन वर्षों के अंत के निकट उनका यह क्लेश समाप्त हो जाएगा, ठीक उससे पहले जब एलियाह सारेपत से निकलेगा, आहाब को यह आज्ञा देने के लिए कि वह सारे इस्राएल को कर्मल पर्वत पर बुलाए।

कलीसिया पर होने वाला उत्पीड़न पूरे 1260 वर्षों की अवधि के दौरान लगातार नहीं चला। परमेश्वर ने अपने लोगों पर दया करते हुए उनकी अग्नि-परीक्षा के समय को संक्षिप्त कर दिया। कलीसिया पर आने वाले 'महाक्लेश' की पहले से भविष्यवाणी करते हुए उद्धारकर्ता ने कहा: 'यदि वे दिन घटाए न जाते, तो कोई प्राणी न बचता; परन्तु चुने हुएों के कारण वे दिन घटाए जाएँगे।' मत्ती 24:22। धर्म-सुधार के प्रभाव से 1798 से पहले ही उस उत्पीड़न का अंत हो गया। महान विवाद, 266, 267।

"क्लेश की शय्या" का जो न्याय पापत्व के लिए था, वह "उसके बच्चों को मृत्यु से मार डालेगा," पर "क्लेश की शय्या" का वही न्याय उन लोगों के लिए जीवन का वचन भी समाहित था जिनके कर्म उनकी विश्वासयोग्यता सिद्ध करते थे, जैसा कि सारेप्ता की विधवा के पुत्र की मृत्यु में दिखाया गया है।

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि उस स्त्री का पुत्र, जो घर की मालकिन थी, बीमार पड़ गया; और उसकी बीमारी इतनी गंभीर हुई कि उसमें श्वास भी न रहा। तब उसने एलिय्याह से कहा, हे परमेश्वर के जन, मेरा तुझसे क्या लेना-देना? क्या तू मेरे पास इसलिए आया है कि मेरा पाप स्मरण में लाए, और मेरे पुत्र को मार डाले? उसने उससे कहा, अपना पुत्र मुझे दे। और उसने उसे उसकी गोद से लिया, और उसे उस ऊपर के कक्ष में ले गया जहाँ वह ठहरता था, और उसे अपने बिस्तर पर लिटा दिया। और उसने प्रभु से पुकारकर कहा, हे प्रभु मेरे परमेश्वर, क्या तूने जिसके यहाँ मैं ठहरा हूँ उस विधवा पर उसके पुत्र को मारकर विपत्ति भी लाई है? और वह बालक पर तीन बार लेट गया, और प्रभु से पुकारकर कहा, हे प्रभु मेरे परमेश्वर, मैं तुझसे विनती करता हूँ, इस बालक का प्राण फिर उसमें लौट आए। और प्रभु ने एलिय्याह की पुकार सुन ली; और बालक का प्राण फिर उसमें लौट आया, और वह जीवित हो गया। तब एलिय्याह ने बालक को लेकर ऊपर के कक्ष से नीचे घर में ले आया, और उसे उसकी माता को सौंप दिया; और एलिय्याह ने कहा, देख, तेरा पुत्र जीवित है। तब उस स्त्री ने एलिय्याह से कहा, अब इससे मुझे पता चला कि तू परमेश्वर का जन है, और तेरे मुँह में जो प्रभु का वचन है वह सत्य है। 1 राजा 17:17-24.

विधवा ने पहचाना कि एलिय्याह "परमेश्वर का जन" है, क्योंकि "प्रभु का वचन" जिसने उसके बच्चे को फिर से जीवित किया, "सत्य" शब्द था। विधवा ने यह भी समझा कि उसके पुत्र पर एलिय्याह का अपने को फैलाने की तीन-चरणीय प्रक्रिया, एलिय्याह के मुख का "वचन" है, जो "सत्य" है। हिब्रू शब्द "एमेथ" का अनुवाद इस खंड में "सत्य" किया गया है, और वह अल्फा और ओमेगा की सृजनात्मक शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यह हिब्रू अक्षरमाला के प्रथम, तेरहवें और अंतिम अक्षर से बना शब्द है, और उस शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जो मरे हुएों को फिर से जीवित कर सकती है।

विश्वासयोग्य भी, जैसे अविश्वासी, साढ़े तीन वर्षों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए परीक्षणकाल की "अवधि" में, "क्लेश की शय्या" का न्यायादेश प्राप्त किया। जो वर्ग उस व्यभिचारिणी के पीछे चला, जिसने व्यभिचार किया और मूर्तिपूजा के सिद्धांत सिखाए, उसकी संतान के लिए परिणाम मृत्यु था। दूसरे वर्ग को, जिसने एलिय्याह के निर्देशों का पालन किया और "सत्य" के वचन पर विश्वास किया, जीवन दिया गया।

विधवा ने एलिय्याह की आज्ञा मानकर उसके लिए कुछ पानी लाई और उसे कुछ रोटी दी, और भविष्यद्वक्ता के वचन के प्रति उसकी आज्ञाकारिता Thyatira के अंधकार युग के विश्वासियों का प्रतिनिधित्व करती है। (यह ध्यान देने योग्य है कि जब एलिय्याह विधवा को पहले उसे खिलाने, और उसके बाद अपने पुत्र और स्वयं को खिलाने की आज्ञा देता है, तो जो बात प्रतीक रूप में दर्शाई जाती है वह यह है कि खाने के लिए भोजन सबसे पहले एलिय्याह को ही प्राप्त होता है। वह सबसे पहले संदेश प्राप्त करता है, और उसके बाद कलीसिया।) हमें बताया गया है कि विश्वासियों के कर्म प्रारंभ की अपेक्षा अंत में अधिक महान थे।

और थ्यातीरा की कलीसिया के दूत को लिख: यह बातें परमेश्वर का पुत्र कहता है, जिसकी आँखें आग की ज्वाला के समान हैं, और जिसके पाँव उत्तम पीतल के समान हैं: मैं तेरे काम, प्रेम, सेवा, विश्वास और धीरज को जानता हूँ; और यह कि तेरे पिछले काम पहले से अधिक हैं। प्रकाशितवाक्य 2:18, 19.

विश्वासियों ने उस 'अवधि' के दौरान अच्छे 'कर्म' प्रदर्शित किए जो पापसी को पश्चाताप के लिए दी गई थी, परंतु अंत में उनके कर्म 'पहले से अधिक' थे। जब वह 'अवधि' समाप्त हो रही थी, तब मसीह ने सुधार आंदोलन का प्रभात तारा भेजा, जिसने उस पापसी—जिसने कलीसिया को 'व्यभिचार करना, और मूर्तियों पर चढ़ाई हुई वस्तुएँ खाना' सिखाया—को अब और सहन न करने के कार्य की शुरुआत की।

जो विजयी होता है और अंत तक मेरे कार्य करता रहता है, उसे मैं जातियों पर अधिकार दूँगा; और वह लोहे की छड़ी से उन पर शासन करेगा; वे कुम्हार के पात्रों के समान टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाएँगे—जैसा मैंने अपने पिता से अधिकार पाया है। और मैं उसे भोर का तारा दूँगा। जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है। प्रकाशितवाक्य 2:26-29.

"पापाइयत को पश्चाताप करने के लिए दी गई "अवधि" की शुरुआत में मसीह को विश्वासियों के विरुद्ध "कुछ बातें" थीं, क्योंकि उन्होंने ईज़ेबेल को—"जो अपने आपको भविष्यवक्त्री कहती है, ताकि वह सिखाए और मेरे दासों को व्यभिचार करने तथा मूर्तियों को चढ़ाई हुई वस्तुएँ खाने के लिए बहकाए"—यह करने दिया था। पर "अवधि" के अंत में विश्वासी पापाइयत को उसके बहकावे जारी रखने की अनुमति देना बंद कर देंगे।"

"चौदहवीं शताब्दी में इंग्लैंड में 'सुधार का प्रभात तारा' उदित हुआ। जॉन वाइक्लिफ़ सुधार के अग्रदूत थे, केवल इंग्लैंड के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण ईसाई जगत के लिए। रोम के विरुद्ध वह महान विरोध, जिसे उन्हें व्यक्त करने की अनुमति दी गई थी, कभी मौन नहीं किया जाना था। उसी विरोध ने उस संघर्ष का आरंभ किया, जो व्यक्तियों, चर्चों और राष्ट्रों की मुक्ति में परिणत होना था।" महान विवाद, 80.

परमेश्वर के सेवकों का भोजन वे शिक्षाएँ या संदेश हैं जो वे प्राप्त करते हैं। व्यभिचार यह है कि कलीसिया अपनी मूर्तिपूजक शिक्षाओं को लागू करवाने के लिए राज्य की शक्ति का उपयोग करे। ईज़ेबेल को पश्चाताप करने के लिए जो 'अवधि' दी गई थी, उसी में कलीसिया सुरक्षा के लिए जंगल में भाग गई।

और वह स्त्री मरुभूमि में भाग गई, जहाँ उसके लिए परमेश्वर ने तैयार किया हुआ एक स्थान था, ताकि वहाँ वे उसे एक हज़ार दो सौ साठ दिन तक पालें... और उस स्त्री को एक बड़े उकाब के दो पंख दिए गए, ताकि वह मरुभूमि में, अपने स्थान पर उड़ जाए, जहाँ वह सर्प के सामने से एक काल, और कालों, और आधा काल तक पोषित की जाती है। और सर्प ने उस स्त्री के पीछे अपने मुँह से बाढ़ के समान जल उगल दिया, ताकि बाढ़ उसे बहा ले जाए। और पृथ्वी ने उस स्त्री की सहायता की, और पृथ्वी ने अपना मुँह खोलकर उस बाढ़ को निगल लिया, जिसे अजगर ने अपने मुँह से निकाला था। प्रकाशितवाक्य 12:6, 14-16.

ईज़ेबेल और आहाब के उत्पीड़न के समय, ओबद्याह ने उस संरक्षण का प्रतिनिधित्व किया, जो पोपतंत्र के काल में मरुभूमि द्वारा प्रदान किया गया था।

और आहाब ने ओबद्याह को बुलाया, जो उसके घर का अधिकारी था। (अब ओबद्याह यहोवा से बहुत डरता था; क्योंकि जब ईज़ेबेल ने यहोवा के भविष्यद्वक्ताओं का संहार किया, तब ओबद्याह ने सौ भविष्यद्वक्ताओं को लेकर उन्हें पचास-पचास करके एक गुफा में छिपा दिया, और उन्हें रोटी और पानी से भोजन कराया।) 1 राजा 18:3, 4.

ओबद्याह द्वारा भविष्यद्वक्ताओं को पचास-पचास करके गुफाओं में छिपाने का कार्य उस मरुभूमि के स्थान का प्रतीक है, जिसे परमेश्वर ने उन विश्वासियों को भोजन कराने के लिए तैयार किया था, जिन्होंने पोपतंत्र की शिक्षाओं को ग्रहण करने से इन्कार किया और यूरोप के राजाओं के साथ उसके व्यभिचार द्वारा दर्शाए गए अपवित्र संबंध को स्वीकार करने से भी इन्कार किया। जिस समयावधि के लिए एल्याह को भोजन और ईज़ेबेल तथा अहाब से संरक्षण के लिए सारेप्ता की विधवा के पास भेजा गया था, वही वह समय था जब कलीसिया मरुभूमि में भाग गई; और उनके लिए परमेश्वर ने जो स्थान तैयार किया था, उसका प्रतिनिधित्व ओबद्याह के कार्य द्वारा किया गया था।

सारेप्ता में एलिय्याह का छिपने का स्थान, जिसे हिब्रू में "जारेफत" कहा जाता है, का अर्थ शुद्धिकरण है। जब ईज़ेबेल को पश्चाताप के लिए दिया गया समय समाप्त हो गया, तो एलिय्याह ओबद्याह के पास गए और अहाब को आज्ञा दी कि वह सारे इस्राएल को कर्मल पर बुलाए।

और जब ओबद्याह मार्ग में था, तो देखो, एलिय्याह उससे मिला; और उसने उसे पहचान लिया, और मुंह के बल गिर पड़ा, और कहा, क्या आप ही मेरे स्वामी एलिय्याह हैं? उसने उत्तर दिया, मैं ही हूँ; जा, अपने स्वामी से कह,

देख, एलिय्याह यहाँ है। 1 राजा 18:17, 18.

सारेप्ता की विधवा के साथ एलिय्याह का समय अंधकार युग का प्रतीक है। एलिय्याह और उस विधवा के वृत्तांत में, वह दो लकड़ियाँ बटोर रही थी, क्योंकि वह मरने वाली थी। भविष्यवाणी में विधवा कलीसिया का प्रतीक होती है, और वह मरुभूमि में उस कलीसिया का प्रतिनिधित्व करती थी जो मरने वाली थी।

और सार्दिस की कलीसिया के दूत को लिख: यह बातें वह कहता है जिसके पास परमेश्वर की सात आत्माएँ और सात तारे हैं: मैं तेरे कामों को जानता हूँ, कि तू जीवित कहलाता है, परन्तु मरा हुआ है। सावधान रह, और जो कुछ बाकी है, जो मरने पर है, उसे दृढ़ कर; क्योंकि मैंने तेरे कामों को परमेश्वर के सामने सिद्ध नहीं पाया। प्रकाशितवाक्य 3:1, 2.

वह "दो लकड़ियाँ बटोर रही थी", और अपनी मृत्यु की तैयारी कर रही थी, तभी एलिय्याह ने उसे टोक दिया।

और यहोवा का वचन उसके पास आया, यह कहते हुए, "उठ, ज़ारेफ़त को जा, जो ज़िदोन का है, और वहाँ ठहर; देख, मैंने वहाँ एक विधवा स्त्री को तेरे भरण-पोषण के लिए आज्ञा दी है।" तब वह उठा और ज़ारेफ़त को चला गया। और जब वह नगर के फाटक पर पहुँचा, तो देखो, वहाँ एक विधवा स्त्री लकड़ियाँ बटोर रही थी; और उसने उसे पुकारकर कहा, "कृपया किसी पात्र में मेरे लिए थोड़ा पानी ले आ, ताकि मैं पी सकूँ।" और जब वह उसे लेने जा रही थी, तो उसने उसे पुकारकर कहा, "कृपया अपने हाथ में रोटी का एक टुकड़ा भी ले आ।" तब उसने कहा, "जैसा कि यहोवा, तेरा परमेश्वर, जीवित है, मेरे पास कोई रोटी नहीं है; केवल घड़े में मुट्ठी भर आटा और कुप्पी में थोड़ा तेल है; और देख, मैं दो लकड़ियाँ बटोर रही हूँ, ताकि मैं जाकर उसे अपने और अपने पुत्र के लिए बनाऊँ, कि हम उसे खाएँ और मर जाएँ।" 1 राजा 17:8-12.

सारेप्ता की विधवा "दो लकड़ियाँ" बटोर रही थी। वह विधवा ईज़ेबेल के समय के विश्वासयोग्य लोगों का प्रतिनिधित्व करती है। उसका पुत्र थ्यातिरा के इतिहास के दौरान उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो पहले पुनरुत्थान में पुनर्जीवित किए जाने की प्रतिज्ञा के साथ मर गए।

और मैंने सिंहासन देखे, और वे उन पर बैठे, और न्याय करने का अधिकार उन्हें दिया गया; और मैंने उन लोगों की आत्माओं को देखा जिनका सिर यीशु की गवाही और परमेश्वर के वचन के कारण काट डाला गया था, और जिन्होंने न तो पशु की, न उसकी प्रतिमा की आराधना की थी, और न अपने ललाट पर, और न अपने हाथों में उसका चिह्न लिया था; और वे जीवित हुए और मसीह के साथ हजार वर्ष तक राज्य किया। परन्तु शेष मरे हुए तब तक जीवित न हुए जब तक कि हजार वर्ष पूरे न हो गए। यह प्रथम पुनरुत्थान है। धन्य और पवित्र है वह, जो प्रथम पुनरुत्थान का भागी है; ऐसों पर दूसरी मृत्यु का अधिकार नहीं, परन्तु वे परमेश्वर और मसीह के याजक होंगे, और उसके साथ हजार वर्ष तक राज्य करेंगे। प्रकाशितवाक्य 20:4-6.

विधवा सार्दिस के उन कुछ लोगों का भी प्रतिनिधित्व करती है, जो योग्य थे और जिन्हें श्वेत वस्त्र दिए गए थे।

फिर भी सरदिस में तेरे पास कुछ लोग हैं जिन्होंने अपने वस्त्र मैले नहीं किए हैं; और वे श्वेत वस्त्र पहनकर मेरे साथ चलेंगे, क्योंकि वे योग्य हैं। जो जय पाएगा, वही श्वेत वस्त्र पहनेगा; और मैं जीवन की पुस्तक से उसका नाम नहीं मिटाऊँगा, परन्तु उसके नाम को अपने पिता और उसके स्वर्गदूतों के सामने स्वीकार करूँगा। प्रकाशितवाक्य 3:4, 5.

चौथी कलीसिया, थुआतीरा, के वे लोग, जो विश्वासपूर्वक मरे, जिनका प्रतिनिधित्व विधवा के पुत्र ने किया, उन्हें पाँचवीं मुहर में श्वेत वस्त्र दिए गए।

और जब उसने पाँचवीं मुहर खोली, तो मैंने वेदी के नीचे उनकी आत्माएँ देखीं, जो परमेश्वर के वचन और उस गवाही के कारण जो वे रखते थे, मार डाले गए थे; और वे ऊँची आवाज़ में पुकारकर कह रहे थे, 'हे प्रभु, पवित्र और सच्चे, कब तक तू पृथ्वी पर रहने वालों का न्याय नहीं करेगा और हमारे लहू का बदला उनसे नहीं लेगा?' और उनमें से हर एक को श्वेत वस्त्र दिया गया; और उनसे कहा गया कि वे थोड़े समय तक और विश्राम करें, जब

तक उनके सहसेवक और उनके भाई भी, जो उनके समान मारे जाने वाले थे, की संख्या पूरी न हो जाए।  
प्रकाशितवाक्य 6:9-11.

अंधकार युग के शहीदों को श्वेत वस्त्र दिए गए, और उन्हें अपनी कब्रों में विश्राम करने को कहा गया, जब तक कि पापसी के शहीदों का एक और समूह उसी प्रकार न मार डाला जाए जैसे वे मारे गए थे। उन्हें साढ़े तीन वर्ष की अवधि में पापसी द्वारा मार डाला गया था, और उन्हें वादा किया गया कि अंततः पापसी का न्याय होगा, परंतु तब तक नहीं, जब तक कि शीघ्र आने वाले रविवार कानून संकट के दौरान पापसी के दूसरे समूह के शहीदों की हत्या न हो जाए। सिस्टर व्हाइट शहीदों की पापसी पर न्याय की याचना को प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के दो अंशों से जोड़ती हैं।

"जब पाँचवीं मुहर खोली गई, तो प्रकाशितवाक्य के लेखक यूहन्ना ने दर्शन में वेदी के नीचे उन लोगों का समूह देखा, जिन्हें परमेश्वर के वचन और यीशु मसीह की गवाही के कारण मार डाला गया था। इसके बाद वे दृश्य आए जिनका वर्णन प्रकाशितवाक्य के अठारहवें अध्याय में किया गया है, जब विश्वासयोग्य और सच्चे लोगों को बाबुल से बाहर बुलाया जाता है। [प्रकाशितवाक्य 18:1-5, उद्धृत.]" मैनुस्क्रिप्ट रिलीज़ेस, खंड 20, 14.

प्रकाशितवाक्य 18:1-5 पद 1 और पद 4 की दो आवाज़ों का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरी आवाज़ बाबुल से बाहर निकलने का आह्वान है, और यह रविवार के कानून के तहत होने वाले उत्पीड़न की शुरुआत को चिह्नित करती है, जब तीसरे स्वर्गदूत का शक्तिशाली आंदोलन परमेश्वर की अन्य भेड़ों को बाबुल से बाहर बुलाता है। वह पाँचवीं मुहर के पाठांश को सातवीं मुहर के खुलने पर भी रखती है।

[प्रकाशितवाक्य 6:9-11 उद्धृत]. यहाँ यूहन्ना के सामने ऐसे दृश्य प्रस्तुत किए गए थे जो वास्तविकता में नहीं थे, बल्कि जो भविष्य के किसी काल में होने वाले थे.

"प्रकाशितवाक्य 8:1-4 उद्धृत।" मैनुस्क्रिप्ट रिलीज़ेज़, खंड 20, 197.

प्रकाशितवाक्य के अध्याय 8 के पद 1 से 4 में सातवीं मुहर खोली जाती है।

और जब उसने सातवीं मुहर खोली, तो स्वर्ग में लगभग आधे घंटे तक मौन रहा। और मैंने उन सात स्वर्गदूतों को देखा जो परमेश्वर के सामने खड़े थे; और उन्हें सात नरसिंगे दिए गए। और एक और स्वर्गदूत आया और वेदी के पास खड़ा हो गया, उसके हाथ में सोने की धूपदान थी; और उसे बहुत सी धूप दी गई, ताकि वह उसे सब पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं के साथ सिंहासन के सामने जो सोने की वेदी थी उस पर चढ़ाए। और धूप का धुआँ, जो पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं के साथ था, स्वर्गदूत के हाथ से परमेश्वर के सामने ऊपर उठा। प्रकाशितवाक्य 8:1-4.

अंधकार युग के शहीदों की प्रार्थनाएँ, जो पाँचवीं मुहर में यह निवेदन कर रहे हैं कि परमेश्वर उस व्यभिचारिणी पर, जो पृथ्वी के राजाओं के साथ व्यभिचार करती है, न्याय लाए, सातवीं मुहर खोले जाने पर 'परमेश्वर के सामने ऊपर उठती हैं'। प्रेरणा सातवीं मुहर के खुलने को प्रकाशितवाक्य 18 की दूसरी वाणी के साथ जोड़ती है, क्योंकि उसी दूसरी वाणी पर परमेश्वर उसकी अधर्मताओं को स्मरण करता है और फिर उसके न्याय को दुगुना कर देता है। एक बार अंधकार युग के शहीदों के लिए, और एक बार रविवार-कानून संकट के रक्तपात के लिए।

और मैंने स्वर्ग से एक और आवाज़ सुनी जो कहती थी, मेरे लोगो, उससे बाहर निकल आओ, ताकि तुम उसके पापों के भागी न बनो, और उसकी विपत्तियों में से कुछ न पाओ। क्योंकि उसके पाप स्वर्ग तक पहुँच गए हैं, और परमेश्वर ने उसके अधर्मों को स्मरण किया है। जैसा उसने तुम्हारे साथ किया है, वैसा ही तुम भी उसके साथ करो; और उसके कर्मों के अनुसार उसे दोगुना-दोगुना लौटाओ। जिस प्याले को उसने भरा है, उसी में उसके लिए दुगुना भर दो। प्रकाशितवाक्य 18:4-6.

सार्दिस में वे कुछ लोग जिन्होंने अपने वस्त्र अशुद्ध नहीं किए थे, उन लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो तियातिरा के उस इतिहास से निकले थे जो 1798 में समाप्त हुआ था। उनका प्रतिनिधित्व सारेपत की विधवा द्वारा किया जाता है, एक ऐसी विधवा जो 1844 में विवाह में जाने वाली थी।

हमारे महायाजक के रूप में मसीह का पवित्रस्थान की शुद्धि के लिए महापवित्र स्थान में आना—जिसका उल्लेख दानियेल 8:14 में है; मनुष्य के पुत्र का दिनों का प्राचीन के पास आना—जैसा कि दानियेल 7:13 में प्रस्तुत है; और मलाकी द्वारा पूर्वकथित प्रभु का अपने मंदिर में आना—ये सब एक ही घटना का वर्णन हैं; और यही घटना मत्ती 25 में दस कुँवारियों के दृष्टान्त में मसीह द्वारा वर्णित विवाह हेतु दूल्हे के आने से भी दर्शाई गई है। महान संघर्ष, 426.

विधवा अपनी मृत्यु से पहले अपना अंतिम भोजन तैयार कर रही थी, तभी एलीया ने उससे कहा कि वह उसकी सेवा करे। वह थुआतीरा के उन गिने-चुने विश्वासयोग्यों का उदाहरण प्रस्तुत करती है, और यह चित्रण आगे चलकर सार्दिस के उन गिने-चुने विश्वासयोग्यों पर आता है, जो "आग" के लिए "दो लकड़ियाँ" बटोर रहे थे।

"दो लाठियाँ" प्राचीन इस्राएल के दोनों घरानों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिन्हें पहले मूर्तिपूजा और फिर पोपवाद द्वारा रौंदा गया था, लेकिन 1798 से 1844 की ऐतिहासिक अवधि में उन्हें एकत्र करके "एक लाठी" के रूप में जोड़ दिया जाना था।

फिर मुझ पर यहोवा का वचन आया: और तू, हे मनुष्य-पुत्र, अपने लिये एक लाठी ले, और उस पर यह लिख: 'यहूदा के लिये, और उसके साथी इस्राएल की सन्तान के लिये'; फिर दूसरी लाठी ले, और उस पर यह लिख: 'यूसुफ के लिये, एप्रैम की लाठी, और समस्त इस्राएल के घराने, जो उसके साथी हैं, के लिये।' और उन्हें एक दूसरे से जोड़कर एक ही लाठी बना दे; और वे तेरे हाथ में एक हो जाएँगी। और जब तेरी प्रजा के लोग तुझसे कहें, 'क्या तू हमें नहीं बताएगा कि इनका क्या अर्थ है?' तब उनसे कह, 'प्रभु यहोवा यूँ कहता है: देख, मैं यूसुफ की लाठी, जो एप्रैम के हाथ में है, और इस्राएल के वे गोत्र जो उसके साथी हैं, ले लूँगा, और उन्हें उसके साथ, अर्थात् यहूदा की लाठी के साथ, मिला दूँगा, और उन्हें एक लाठी बना दूँगा, और वे मेरे हाथ में एक होंगे। और जिन लाठियों पर तू लिखता है, वे उनकी आँखों के सामने तेरे हाथ में होंगी।' और उनसे कह, 'प्रभु यहोवा यूँ कहता है: देख, मैं इस्राएल की सन्तान को उन जातियों के बीच से, जहाँ वे गए हैं, ले लूँगा, और उन्हें चारों ओर से इकट्ठा करूँगा, और उन्हें उनके अपने देश में ले आऊँगा। और मैं इस्राएल के पर्वतों पर उस देश में उन्हें एक ही जाति बनाऊँगा; और एक ही राजा उन सब पर राज्य करेगा; और वे फिर दो जातियाँ न रहेंगे, और न वे फिर कभी दो राज्यों में विभाजित किए जाएँगे। और वे फिर न अपनी मूर्तियों से, न अपनी घृणित वस्तुओं से, और न अपने किसी अपराध से अपने आप को अशुद्ध करेंगे; परन्तु मैं उन्हें उन सब निवास-स्थानों में से, जिनमें उन्होंने पाप किया है, छुड़ा लूँगा, और उन्हें शुद्ध करूँगा; तब वे मेरी प्रजा होंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊँगा। और मेरा दास दाऊद उन पर राजा होगा; और उन सबका एक ही चरवाहा होगा; वे मेरे नियमों पर चलेंगे, और मेरी विधियों को मानेंगे और उनका पालन करेंगे। और वे उस देश में बसेंगे, जिसे मैंने अपने दास याकूब को दिया था, जहाँ तुम्हारे पितर बसे थे; और वे, उनके बच्चे, और उनके बच्चों के बच्चे सदा के लिये वहाँ बसेंगे; और मेरा दास दाऊद सदा सर्वदा उनका प्रधान होगा। फिर मैं उनके साथ शान्ति की वाचा बाँधूँगा; वह उनके साथ सदा की वाचा होगी; और मैं उन्हें स्थापित करूँगा, और उनकी संख्या बढ़ाऊँगा, और अपना पवित्रस्थान उनके बीच सदैव के लिये स्थापित करूँगा। मेरा निवास-स्थान भी उनके साथ होगा; हाँ, मैं उनका परमेश्वर होऊँगा, और वे मेरी प्रजा होंगे। और जब मेरा पवित्रस्थान सदैव के लिये उनके बीच होगा, तब जातियाँ जान लेंगी कि मैं, यहोवा, इस्राएल को पवित्र करता हूँ।' यहजकेल 37:15-28.

जब एलिय्याह सारेप्ता से निकलकर अहाब और सारे इस्राएल को कर्मल पर्वत पर बुलाने जाता है, तब वह विधवा कलीसिया, जो मरुभूमि में भाग गई थी, 22 अक्टूबर, 1844 के विवाह से पहले विधवा को शुद्ध करने वाली आग के लिए दो लकड़ियाँ बटोर रही थी। दो लकड़ियों का यह इकट्ठा होना मिलराइट आंदोलन का इकट्ठा होना है, जो यशायाह 7 में चिन्हित अंतिम पैसठ-वर्षीय अवधि में पूरा होता है। उत्तरी राज्य ने 723 ईसा-पूर्व से 1798 तक मूसा के शाप को भुगता, और दक्षिणी राज्य ने 677 ईसा-पूर्व से 1844 तक उसी शाप को भुगता। 1844 में, उन दो वास्तविक राष्ट्रों के आत्मिक वंशज एक लकड़ी, अर्थात् एक राष्ट्र के रूप में इकट्ठा किए गए।

यदि और कुछ नहीं, तो यहजकेल दो डंडियों को दो राष्ट्रों के रूप में परिभाषित करता है, जो एक राष्ट्र बन जाते हैं।

क्योंकि सीरिया की राजधानी दमिश्क है, और दमिश्क का शासक रेज़ीन है; और पैंसठ वर्ष के भीतर इफ्राइम ऐसा टूट जाएगा कि वह कोई जाति न रहेगा। और इफ्राइम की राजधानी समरिया है, और समरिया का शासक रेमल्याह का पुत्र है। यदि तुम विश्वास न करोगे, तो निश्चय ही स्थिर न रहोगे। यशायाह 7:8, 9.

यदि हम पैंसठ वर्षों की भविष्यवाणी पर विश्वास नहीं करेंगे, तो हम कायम नहीं रहेंगे।

हम अगले लेख में एलियाह का प्रतीकवाद प्रस्तुत करना जारी रखेंगे।